अनुक्रमांक

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

नाम

101/1 301 (CK)

2015

हिन्दी

प्रथम प्रश्न-पत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] *[पूर्णांक : 50*

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

---

1. (क) 'सुख-सागर' के लेखक हैं *1*

   (i) इंशा अल्ला खाँ

   (ii) लल्लू लाल

   (iii) मुंशी सदासुख लाल

   (iv) सदल मिश्र

   (ख) 'हिन्दी प्रदीप' के सम्पादक हैं *1*

   (i) प्रताप नारायण मिश्र

   (ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

   (iii) बालकृष्ण भट्ट

   (iv) बदरीनारायण चौधरी

https://www.upboardonline.com

   (ग) 'यात्रावृत्तान्त' विधा के लेखक हैं *1*

   (i) रामकुमार वर्मा

   (ii) रायकृष्ण दास

   (iii) वृन्दावन लाल वर्मा

   (iv) राहुल सांकृत्यायन

   (घ) "गेहूँ बनाम गुलाब" के लेखक हैं *1*

   (i) वासुदेव शरण अग्रवाल

   (ii) हरिशंकर परसाई

   (iii) रामवृक्ष बेनीपुरी

   (iv) जैनेन्द्र कुमार

   (ङ) 'रेखाचित्र' विधा के लेखक हैं *1*

   (i) प्रताप नारायण मिश्र

   (ii) धीरेन्द्र वर्मा

   (iii) महादेवी वर्मा

   (iv) प्रभाकर माचवे

2. (क) कविवर बिहारी की प्रमुख रचना है *1*

   (i) गंगालहरी

   (ii) सतसई

   (iii) रस मीमांसा

   (iv) वैदेही वनवास

   (ख) भक्तिकाल की सगुण भक्तिधारा के दो कवियों का नामोल्लेख कीजिए । *1*

   (ग) छायावाद युग के प्रमुख कवि का नाम लिखिए । *1*

https://www.upboardonline.com

(घ) 'पृथ्वीराज रासो' का रचनाकाल है *1*

(i) प्रगतिवाद

(ii) भक्तिकाल

(iii) आदिकाल

(iv) रीतिकाल

(ङ) 'तार सप्तक' के सम्पादक हैं *1*

(i) कुंवर नारायण

(ii) अज्ञेय

(iii) श्रीधर पाठक

(iv) हरिऔध

3. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी ***एक*** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *1+6=7*

(i) रात का काला घुप्प पर्दा दूर हुआ, तब वह उच्छ्वसित हुआ सिर्फ इसलिए नहीं कि अब पेट-पूजा की समिधा जुटाने में उसे सहूलियत मिलेगी, बल्कि वह आनन्द-विभोर हुआ ऊषा की लालिमा से, उगते सूरज की शनैः शनैः प्रस्फुटित होने वाली सुनहरी किरणों से, पृथ्वी पर चमचम करते लक्ष-लक्ष ओस-कणों से ! आसमान में जब बादल उमड़े, तब उसमें अपनी कृषि का आरोप करके ही वह प्रसन्न नहीं हुआ, उसके सौन्दर्य-बोध ने उसके मनमोर को नाच उठने के लिए लाचार किया – इन्द्रधनुष ने उसके हृदय को भी इन्द्रधनुषी रंगों में रंग दिया ।

https://www.upboardonline.com

(ii) निन्दा कुछ लोगों की पूँजी होती है । बड़ा लम्बा-चौड़ा व्यापार फैलाते हैं वे इस पूँजी से । कई लोगों की प्रतिष्ठा ही दूसरों की कलंक-कथाओं के पारायण पर आधारित होती है । बड़े रसविभोर होकर वे जिस-तिस की सत्य कल्पित कलंक-कथा सुनाते हैं और स्वयं को पूर्ण संत समझने की तुष्टि का अनुभव करते हैं ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी ***एक*** सूक्ति की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *1+2=3*

(i) सब उन्नतियों का मूल धर्म है ।

(ii) संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है ।

(iii) आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है ।

4. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी ***एक*** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : *1+6=7*

(i) जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहिं ।
सब अँधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या माहिं ।।
पिंजर प्रेम प्रकासिया, अंतरि भया उजास ।
मुखि कस्तूरी महमही, बाणी फूटी बास ।।

https://www.upboardonline.com

(ii) घिर रहे थे घुँघराले बाल
अंस अवलंबित मुख के पास,
नील घन-शावक-से सुकुमार
सुधा भरने को विधु के पास ।

(ख) निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी ***एक*** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *1+2=3*

(i) अब लौ नसानी अब न नसैहौं ।

(ii) इस धारा-सा जग का क्रम, शाश्वत इस जीवन का उद्गम ।

(iii) पिय प्यारे तिहारे निहारे बिना अँखियाँ, दुखिया नहिं मानती हैं ।

5. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उसकी रचनाओं तथा भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए : *4*

(i) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(ii) श्यामसुन्दर दास

(iii) जैनेन्द्र कुमार

(iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

6. निम्नलिखित कवियों में से किसी ***एक*** का जीवन-परिचय देते हुए उनकी कृतियों एवं साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए : *4*

(i) तुलसीदास

(ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(iv) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

https://www.upboardonline.com

7. (क) 'बलिदान' **अथवा** 'ध्रुवयात्रा' कहानी के मुख्य पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए । *4*

अथवा

'प्रायश्चित्त' **अथवा** 'पंचलाइट' कहानी के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर दीजिए : *4*

(i) 'कुहासा और किरण' नाटक के आधार पर नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'कुहासा और किरण' नाटक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ii) 'सूत-पुत्र' नाटक के आधार पर नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सूत-पुत्र' नाटक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(iii) 'राजमुकुट' नाटक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'राजमुकुट' नाटक के किसी एक पुरुष पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

https://www.upboardonline.com

(iv) 'आन का मान' नाटक के किसी एक स्त्री पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आन का मान' नाटक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(v) 'गरुड़-ध्वज' नाटक की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'गरुड़-ध्वज' नाटक के किसी एक पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

8. अधोलिखित खण्डकाव्यों में से स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर दीजिए : *4*

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के मुख्य पात्र की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

https://www.upboardonline.com

(ग) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

(घ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ङ) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुर्योधन' के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथा को संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए ।

(च) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के उद्देश्य को अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

https://www.upboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.upboardonline.com